नंदिग्राम टाईम्स

RNI NO. MAHHIN/2016/69743 EDITOR : SHAIKH JAHUR AHEMAD

Tuesday 30th December 2025 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 244 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

मुंबई पुलिस ने तोड़ी ड्रग तस्करों की कमर, 814 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त

संवाददाता | NEWS AGENCY

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने इस साल ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है, जिससे ड्रग माफिया की कमर टूट गई है। 1 जनवरी 2025 से 21 दिसंबर 2025 के बीच पुलिस ने 814 करोड़ 17 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं।

कोडवर्ड 'अंटी' का खुलासा
पुलिस ने एमडी या मेपेड्रोन की तस्करी को बेनकाब किया है, जिसे ड्रग मार्केट में 'अंटी' जैसे कोडवर्ड से जाना जाता है। इस साल पुलिस ने 275 किलोग्राम से ज्यादा एमडी जब्त की है और 376 तस्करों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि तस्कर कोडवर्ड का इस्तेमाल कर पुलिस से बचने की कोशिश करते थे, लेकिन तकनीकी निगरानी के जरिए पुलिस ने इन कोडवर्ड को क्रैक कर लिया।

नशीले पदार्थों की जब्ती
पुलिस ने 10.949 किलोग्राम कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 84.40 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, 1,340 किलोग्राम से ज्यादा गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 44 करोड़ रुपये से अधिक है। हेरोइन, चरस और कोडीन युक्त कफ सिरप की भी बड़ी खेप पुलिस के हाथ लगी है।

सेवन करने वालों पर भी सख्ती
मुंबई पुलिस की कार्रवाई सिर्फ बड़े तस्करों तक सीमित नहीं रही, बल्कि नशे के सेवन के खिलाफ भी कड़ा रुख अपनाया गया है। कुल दर्ज मामलों में से 6,276 केस केवल ड्रग्स कंजम्पशन से जुड़े हैं, जिनमें 5,242 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, अल्प्रोजोलम और नाइट्रावेट जैसी टैबलेट्स की 15,341 स्ट्रिप्स भी जब्त की गई हैं।

TOP NEWS | 'पहले खुद का रिकॉर्ड देखे पाकिस्तान',

'पहले खुद का रिकॉर्ड देखे पाकिस्तान', अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताने वाले पड़ोसी मुल्क को भारत की दो टूक

नई दिल्ली | विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की उस टिप्पणी को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसमें भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताई गई थी। जायसवाल ने कड़े शब्दों में कहा है कि, पाकिस्तान का इस मामले में खुद का रिकॉर्ड इतना खराब है कि वह दूसरों को नसीहत देने की स्थिति में नहीं है।

यह बयान पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी की उस टिप्पणी के जवाब में आया है जिसमें भारत में क्रिसमस के दौरान तोड़फोड़ और मुसलमानों पर हमलों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ घटनाओं पर चिंता जताई थी। अंद्राबी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन घटनाओं का संज्ञान लेने

और कमजोर समुदायों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाने की अपील की थी। रणधीर जायसवाल ने दिया जवाब

एमईए के प्रवक्ता जायसवाल से जब इस बारे में पूछा गया तो उनका जवाब था कि, 'हम उस देश की कथित टिप्पणियों को खारिज करते हैं जिसका इस मामले में बेहद खराब रिकार्ड खुद सब कुछ बयां करता है। पाकिस्तान का विभिन्न धर्मों के अल्पसंख्यकों के साथ भयानक और व्यवस्थित उत्पीड़न एक स्थापित तथ्य है। किसी और पर उंगली उठाने से इस सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता।'

भारतीय विदेश मंत्रालय ने पूर्व में भी कई बार पाकिस्तान में अल्पसंख्यक अधिकारों के रिकॉर्ड पर वहां की सरकार की कलई खोली है। इसके पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अंद्राबी ने एक बयान जारी कर कहा है कि, भारत में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न गहरी चिंता का विषय है और राज्य प्रायोजित अभियान मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं।

भाजपा का बड़ा फैसला: मंत्री-सांसद-विधायकों के रिश्तेदारों को महापालिका टिकट नहीं मिलेगा

मुंबई, 29 दिसंबर 2025: महाराष्ट्र में आगामी महानगरपालिका एवं स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने घरानाशाही और भाई-भतीजावाद को रोकने के उद्देश्य से एक अहम निर्णय लिया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि मंत्री, सांसद (एमपी) और विधायकों (एमएलए) के नजदीकी रिश्तेदारों को महापालिका चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और लंबे समय से पार्टी के लिए मेहनत कर रहे कार्यकर्ताओं को मौका देना बताया जा रहा है।

भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने कहा है कि यह निर्णय "घरानाशाही राजनीति" से दूरी बनाए रखने और कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए लिया गया है। इसके तहत कई वरिष्ठ नेताओं के बच्चों और पत्नियों ने महापालिका चुनाव से नामांकन वापस ले लिया है। उदाहरण के तौर पर कोल्हापुर के भाजपा सांसद धनंजय महाडिक के बेटे कृष्णराज महाडिक तथा नाशिक में दो महिला विधायकों के बच्चों ने अपने उम्मीदवार अर्ज़ियां वापस ले ली हैं।

पार्टी नेतृत्व का दावा है कि यह नीति पार्टी की विस्तारवादी सोच और grassroots workers को प्राथमिकता देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। टिकट वितरण की नई रूपरेखा में अब केवल सक्रिय और मेहनती कार्यकर्ता ही उम्मीदवारों की सूची में शामिल होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

लखनऊ कफ सिरप मामले में ED का नया मोड़: आरोपियों को रिमांड पर लेने की तैयारी, STF ने फार्मा कंपनियों का रिकॉर्ड खंगाला

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के लखनऊ से शुरू हुआ कोडीन आधारित कफ सिरप तस्करी का मामला अब और गंभीर रूप ले चुका है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने इस मामले में अमित सिंह 'टाटा' और आलोक सिंह को दोबारा पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी शुरू कर दी है, जिससे जांच और विस्तृत होने की संभावना बढ़ गई है। ED एक-दो दिन के भीतर अदालत में रिमांड के लिए आवेदन करेगा।

पहली पूछताछ में जुटाई जानकारी की पुष्टि के बाद ED की टीम अब और विस्तृत साक्ष्य जुटाने पर ध्यान दे रही है। आरोपियों से दोबारा पूछताछ में नई जानकारियाँ सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे नेटवर्क के अन्य हिस्सों का खुलासा हो सकता है।

वहीं स्पेशल टास्क फोर्स (STF) भी इस तस्करी जाल की तह में जाकर जांच कर रही है। टीम ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड स्थित कुछ फार्मा कंपनियों का रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया है, क्योंकि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कफ सिरप का निर्माण इसी नेटवर्क से जुड़ी कंपनियों के माध्यम से हुआ था।

STF को कुछ कंपनियों के अधिकारियों और आरोपितों के बीच संपर्क के संकेत भी मिले हैं, जिनसे जल्द पूछताछ की संभावना जताई जा रही है। यह कदम इस बड़ा नेटवर्क उजागर कर सकता है, जिसमें तस्करी से लेकर अंतरराज्यीय सप्लाई और विदेशों तक वितरण के कई आरोप शामिल हैं।

जांच का रुख़ अब सिर्फ़ आरोपियों तक सीमित नहीं रहा; यह फार्मा कंपनियों, निर्माण प्रक्रिया, आपूर्ति चैन और दस्तावेज़ों के वैधता तक फैल गया है। आने वाले दिनों में ED-STF की संयुक्त पूछताछ से यह पता चल सकेगा कि यह तस्करी गिरोह कितना विशाल और संगठित है, जिसका असर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के स्वास्थ्य और सुरक्षा मामलों पर पड़ सकता है।

भारत की चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4 ने शुरू किया समुद्री परीक्षण

संवाददाता | दतिया

नई दिल्ली : भारत ने अपनी चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4* का समुद्री परीक्षण (सी-ट्रायल) शुरू कर दिया है। 7000 टन वजनी यह पनडुब्बी हाल ही में विशाखापत्तनम स्थित शिपबिल्डिंग सेंटर से समुद्र में रवाना हुई और इसका परीक्षण एक वर्ष तक चलेगा। परीक्षण पूरा होने के बाद यह 2027 की शुरुआत तक भारतीय नौसेना की सेवा में शामिल होने के लिए तैयार होगी।

S4* अरिहंत-क्लास की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों में नवीनतम है, जिसमें आठ के-4 पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) इंस्टॉल होने की क्षमता है। ये मिसाइलें 3500 किलोमीटर से अधिक की मारक दूरी सक्षम हैं, जो भारत की समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता (nuclear deterrence) को और मजबूत बनाएंगी।

पनडुब्बी के 80% से अधिक घटक स्वदेशी हैं, जिससे देश की रक्षा निर्माण क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन होता है। S4* के शामिल होने से भारत के पास अब चार SSBN (न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी) होंगे, जो समुद्र-आधारित परमाणु हमला करने और प्रतिवाद क्षमता (second-strike capability) को मजबूत करेंगे। विश्लेषकों के अनुसार, यह कदम भारत की समुद्री रणनीतिक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा संतुलन पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा।

कुलदीप सेंगर के समर्थन में बरखा त्रेहान: पुरुष आयोग की अध्यक्ष कौन है?

नई दिल्ली, : उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर के समर्थन में जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन चल रहा था, तभी एक महिला अचानक हाथ में "I Support Kuldeep Sengar" की तख्ती लेकर सामने आई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। वह महिला बरखा त्रेहान थीं, जो स्वयं को पुरुष आयोग नामक संगठन की अध्यक्ष बताती हैं।

बरखा त्रेहान दिल्ली की निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हैं और पुरुषों के अधिकारों तथा न्याय की वकालत करती हैं। उनका संगठन पुरुषों के समान अधिकारों और जेंडर न्यूट्रल न्याय जैसी बातों पर जोर देता है।

उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश का सम्मान किया जाना चाहिए और ऐसे मामलों में "राजनीति नहीं होनी चाहिए।" बरखा ने यह भी कहा कि बेल कानून की प्रक्रिया का हिस्सा है और रोटी-रोज़गार वाले पुरुषों को भी न्याय मिलना चाहिए। इन बयानों के कारण वे सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर विवाद का विषय बन गई हैं।

उनके इस समर्थन के बाद प्रदर्शनकारियों और ट्रेहान के बीच तीखी नोक-झोंक और बहस हुई, जो उन्नाव केस के तनावपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक विमर्श को और बढ़ा रहा है।

'पुतिन के आवास पर 91 ड्रोन से हमला', रूस ने यूक्रेन पर लगाए गंभीर आरोप; जेलेंस्की बोले- 'ये झूठ है'

नई दिल्ली। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घर पर रात भर ड्रोन हमला किया। उन्होंने कहा कि नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के आधिकारिक आवास पर 91 ड्रोन को रोका गया और गिरा दिया गया। हालांकि यूक्रेन ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इसे ठेठ रूसी झूठ कहा और कहा कि यह दावा कीव पर नए हमलों को सही ठहराने के लिए किया जा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि इस दावे ने ट्रंप के साथ लगभग 4 साल से तल रहे युद्ध को खत्म करने के साझा प्रयास को कमजोर किया है।

जेलेंस्की ने इस संबंध में सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया। उन्होने कहा, 'रूस फिर से वही कर रहा है, राष्ट्रपति ट्रम्प की टीम के साथ हमारे साझा राजनयिक प्रयासों की सभी जेलेंस्की ने किया पोस्ट
उपलब्धियों को कमज़ोर करने के लिए खतरनाक बयानों का इस्तेमाल कर रहा है। यह कथित आवास पर हमले की कहानी पूरी तरह से मनगढ़ंत है, जिसका मकसद यूक्रेन पर अतिरिक्त हमलों को सही ठहराना है।'

अमेरिका में जब ट्रंप और जेलेंस्की युद्ध रोकने के तरीकों पर वार्ता कर रहे थे उसी समय यूक्रेन में रूस के हमले हो रहे थे। यूक्रेन के नियंत्रण वाले डोनेस्क प्रांत में हुए हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हुई है और पांच घायल हुए हैं। इस बीच रूस के सेना प्रमुख वेलारी गेरासिमोव ने राष्ट्रपति पुतिन को बताया है कि वर्ष 2025 में रूसी सेना ने युद्ध में यूक्रेन की 6,460 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि रविवार को उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से दो घंटे से ज्यादा समय फोन पर बात हुई। पुतिन यूक्रेन के पुनर्निर्माण में मदद के लिए तैयार हैं। वह इसके लिए यूक्रेन को सस्ती दर पर पेट्रोलियम पदार्थों और गैस की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। पुतिन यूक्रेन को सफल होते हुए देखना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, पुतिन की इन बातों ने उन्हें अचरज में डाला है।

भारत की चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4* का समुद्री परीक्षण शुरू, 7000 टन वजन के साथ लगाएगी गोता

नई दिल्ली: भारत की चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4* का समुद्री परीक्षण शुरू हो गया है। 7000 टन वजन वाली यह पनडुब्बी पिछले सप्ताह विशाखापत्तनम बंदरगाह स्थित शिपबिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) से समुद्री परीक्षण के लिए रवाना हुई। S4* (चार सितारा) अरिहंत श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों की श्रृंखला की अंतिम पनडुब्बी है और इसमें 3500 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली आठ परमाणु-युक्त के-4 पनडुब्बी-प्रवेशित बैलिस्टिक मिसाइलें (एसएलबीएम) हैं।

S4* अरिहंत-क्लास की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों में नवीनतम है, जिसमें आठ के-4 पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) इंस्टॉल होने की क्षमता है। ये मिसाइलें 3500 किलोमीटर से अधिक की मारक दूरी सक्षम हैं, जो भारत की

पहला एसएसबीएन 1998 में तैयार किया गया था
आईएनएस अरिहंत का सफर 1998 में शुरू हुआ, जब इसके ढांचे का काम शुरू हुआ। यह वही समय था जब भारत ने पोखरण में अपने परमाणु परीक्षणों से दुनिया को चौंका दिया था। इसके बाद, 2009 में इसे पानी में उतारा गया और 2016 में यह भारतीय नौसेना का हिस्सा बनी। 2018 में, इसने सफलतापूर्वक अपना पहला निवारक गश्ती अभियान पूरा किया, जिसका मतलब है कि यह समुद्र में तैनात होकर दुश्मन पर नजर रखने और किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार थी। अब, आईएनएस अरिघात के शामिल होने से भारत की पनडुब्बी बेड़ा और भी मजबूत हो गया है।

दूसरी इकाई, आईएनएस अरिघाट, 29 अगस्त 2024 को सेवा में शामिल की गई। तीसरी इकाई, आईएनएस अरिधमन, 2026 की शुरुआत में सेवा में शामिल की जाएगी। एस4* का नाम अभी तक घोषित नहीं किया गया है, लेकिन पिछले उदाहरणों से संकेत मिलता है कि नाम के आगे "अरी" शब्द जोड़ा जाएगा, जिसका संस्कृत में अर्थ शत्रु होता है।

अरिहंत और अरिघात लगभग एक समान
भारत की पनडुब्बियों अरिहंत और अरिघात मिसाइलों से लैस हैं। ये पनडुब्बियां 110 मीटर से लंबी हैं और 6000 टन से ज्यादा वजनी हैं। ये 16 K-15 SLBM या 4 K-4 SLBM मिसाइलें ले जा सकती हैं। वहीं, अरिधमन और S4- पनडुब्बियां थोड़ी बड़ी हैं। इनके डिजाइन में 10 मीटर का एक अतिरिक्त हिस्सा जोड़ा गया है। इस हिस्से में चार और K4 मिसाइलें रखी जा सकती हैं।

भारत की चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4* का समुद्री परीक्षण शुरू, 7000 टन वजन के साथ लगाएगी गोता

नई दिल्ली: भारत की चौथी बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी S4* का समुद्री परीक्षण शुरू हो गया है। 7000 टन वजन वाली यह पनडुब्बी पिछले सप्ताह विशाखापत्तनम बंदरगाह स्थित शिपबिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) से समुद्री परीक्षण के लिए रवाना हुई। S4* (चार सितारा) अरिहंत श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों की श्रृंखला की अंतिम पनडुब्बी है और इसमें 3500 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली आठ परमाणु-युक्त के-4 पनडुब्बी-प्रवेशित बैलिस्टिक मिसाइलें (एसएलबीएम) हैं।

S4* पनडुब्बी के 80 प्रतिशत से अधिक उपकरण स्वदेशी घटकों से निर्मित हैं, जो चारों इकाइयों में सबसे अधिक है। पनडुब्बी का परीक्षण एक वर्ष तक चलने की उम्मीद है, जिसके बाद यह 2027 की शुरुआत तक सेवा में शामिल होने के लिए तैयार हो जाएगी।

भारत के पास अब समुद्र में चार एसएसबीएन
भारत के पास अब समुद्र में चार एसएसबीएन हैं, जिनमें से दो सेवा में हैं और दो परीक्षण के अधीन हैं। तीसरा एसएसबीएन, आईएनएस अरिधमन, अपने समुद्री परीक्षण पूरे कर चुका है और 2026 के अंत में कमीशन होने के लिए तैयार है। यह रणनीतिक उपलब्धि उस परियोजना की परिणति है जो 1984 में तीन एसएसबीएन की आपूर्ति के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) परियोजना की स्थापना के साथ शुरू हुई थी। एस4* को एक दशक से भी पहले एस4 और बड़ी एस5 एसएसबीएन परियोजना के बीच एक अंतरिम समाधान के रूप में ऑर्डर किया गया था।

Your Advertisement
HERE

नांदेड-वाघाळा मनपा चुनाव 2026 : AIMIM की एंट्री, दल-बदल और आरोप-प्रत्यारोप से गरमाई राजनीति

संपादकीय...।

नांदेड-वाघाळा महानगरपालिका चुनाव 2026 से पहले शहर की राजनीति जिस तीव्रता और उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह चुनाव अब सामान्य स्थानीय निकाय चुनाव नहीं रहा। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और पूर्व नगरसेवकों का AIMIM में प्रवेश, बड़ी संख्या में पार्षदों का भाजपा में जाना और इसके बाद शुरू हुए खुले आरोप-प्रत्यारोप ने नांदेड की राजनीति को निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है।

यह स्थिति केवल दल-बदल तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक विश्वास, नेतृत्व की विश्वसनीयता और सामाजिक प्रतिनिधित्व जैसे गहरे सवालों को भी सामने ला रही है।

AIMIM की एंट्री और कांग्रेस के सामने खड़ा संकट

नांदेड को लंबे समय तक कांग्रेस का मजबूत राजनीतिक आधार माना जाता रहा है, विशेषकर मुस्लिम-बहुल प्रभागों में। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने इस पारंपरिक समीकरण को झकझोर कर रख दिया है। पूर्व महापौर सहित कई प्रभावशाली नेताओं और नगरसेवकों का AIMIM में शामिल होना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के भीतर नेतृत्व संकट, संगठनात्मक कमजोरी और अल्पसंख्यक नेतृत्व की उपेक्षा जैसे सवाल खुलकर सामने आए हैं। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि AIMIM की सक्रियता कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक को नुकसान पहुंचाने की रणनीति का हिस्सा है और इससे भाजपा को अप्रत्यक्ष लाभ मिलने की आशंका है।

दल-बदल की राजनीति और भाजपा की बढ़त

कांग्रेस के लिए चुनौती यहीं समाप्त नहीं होती। बड़ी संख्या में पूर्व पार्षदों और वरिष्ठ नेताओं का भाजपा में जाना इस बात का संकेत है कि पार्टी के भीतर असंतोष लंबे समय से पनप रहा था। पूर्व महापौर, उपमहापौर और अनुभवी नगरसेवकों के भाजपा में शामिल होने से स्थानीय राजनीति का संतुलन बदला है।

भाजपा इसे कांग्रेस की नीतिगत विफलता और नेतृत्वहीनता का परिणाम बता रही है। भाजपा का दावा है कि कांग्रेस से नेताओं का पलायन जनाधार के खिसकने का संकेत है और जनता अब वैकल्पिक नेतृत्व की ओर देख रही है।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर

राजनीतिक घटनाओं के साथ-साथ आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी तेज हो गई है। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेताओं ने AIMIM पर चुनाव को साम्प्रदायिक दिशा में ले जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस प्रकार की राजनीति से नांदेड की सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंच सकता है।

इसके जवाब में AIMIM नेताओं ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी किसी दल की 'बी-टीम' नहीं है। AIMIM का तर्क है कि वह उन नेताओं और वर्गों को राजनीतिक मंच दे रही है जिन्हें वर्षों तक नजरअंदाज किया गया। AIMIM इसे राजनीतिक अवसरवाद नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की लड़ाई बताती है।

भाजपा ने भी स्पष्ट किया है कि उसका AIMIM से कोई संबंध नहीं है और कांग्रेस अपनी अंदरूनी कमजोरियों को छिपाने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ रही है।

असली मुद्दों से भटकती बहस

इस पूरे राजनीतिक शोरगुल में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नांदेड के बुनियादी नागरिक मुद्दे पीछे छूटते जा रहे हैं। पानी की समस्या, जर्जर सड़कें, जलनिकासी, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार जैसे सवाल मतदाताओं के लिए प्राथमिक हैं, लेकिन राजनीतिक दल इन मुद्दों पर ठोस चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाने में व्यस्त नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का समय

यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस के लिए चेतावनी से कम नहीं है। एक ओर भाजपा की आक्रामक रणनीति, दूसरी ओर AIMIM का उभार और भीतर से कमजोर संगठन — इन तीनों के बीच कांग्रेस की राह कठिन होती जा रही है। यदि पार्टी समय रहते नेतृत्व, संगठन और कार्यकर्ताओं के विश्वास को मजबूत नहीं करती, तो मनपा चुनाव में उसे गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हालांकि यह भी सच है कि कांग्रेस का जनाधार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। कई क्षेत्रों में आज भी पार्टी को समर्थन प्राप्त है, लेकिन उसे नए सिरे से रणनीति और नेतृत्व पर काम करने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

नांदेड-वाघाळा महानगरपालिका चुनाव 2026 अब केवल सीटों का गणित नहीं रहा। यह चुनाव राजनीतिक नैतिकता, प्रतिनिधित्व और जनविश्वास की कसौटी बन चुका है। AIMIM की एंट्री, बड़े पैमाने पर दल-बदल और तीखे आरोप-प्रत्यारोप ने चुनावी तापमान जरूर बढ़ा दिया है, लेकिन अंतिम निर्णय नांदेड की जनता के हाथ में है।

यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मतदाता भावनात्मक और आरोप-प्रधान राजनीति से ऊपर उठकर विकास, स्थिरता और सुशासन को प्राथमिकता देते हैं या फिर यह चुनाव नए राजनीतिक ध्रुवीकरण की दिशा में आगे बढ़ता है।

WORLD NEWS | भारत ने 'प्राणदान' देकर अफगानिस्तान से निभाई दोस्ती

भारत ने 'प्राणदान' देकर अफगानिस्तान से निभाई दोस्ती, पाकिस्तानी ब्लैकमेल खत्म, तालिबानी कर रहे तारीफ

● NEWS AGENCY

काबुल: पाकिस्तान के हवाई हमले और दवाओं को लेकर ब्लैकमेल किए जाने के बीच भारत और अफगानिस्तान में दोस्ती अब और मजबूत होती जा रही है। भारत ने तालिबान सरकार से किया गया अपना वादा पूरा किया है और अफगानिस्तान को अत्याधुनिक एंबुलेंस की एक खेप सौंप दी है। इससे पहले तालिबानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की दिल्ली यात्रा के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह वादा किया था। जयशंकर ने उस समय कहा था कि भारत की ओर से 20 एंबुलेंस की खेप सद्भावना गिफ्ट है। उन्होंने यह भी कहा था कि भारत अफगानिस्तान के हॉस्पिटल्स के लिए एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन मुहैया कराएगा। साथ ही बच्चों की वैक्सीन और कैंसर की दवाएं भी देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक एंबुलेंस देना भारत और अफगानिस्तान के बीच हेल्थकेयर कोऑपरेशन का हिस्सा है। भारत काबुल में इंदिरा गांधी के नाम पर बने बच्चों के अस्पताल को गरम रखने का सिस्टम बदलेगा और यहां के इलाज के आधुनिक सिस्टम भी लगाएगा। इसके अलावा भारत काबुल के बगरामी जिले में एक 30 बेड का हॉस्पिटल बनाने जा रहा है। इसके अलावा पाकटीका, खोश्त और पाकटिआ प्रांतों में महिलाओं के लिए क्लिनिक बनाए जाएंगे। भारत अफगान लोगों को कृत्रिम अंग दान कर रही है जिसकी अफगान सरकार ने जमकर तारीफ की है। पिछले महीने ही अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री भारत के दौरे पर आए थे।

तालिबानी कर रहे भारत की तारीफ

अफगान हेल्थ मिनिस्टर ने भारतीय समकक्ष के साथ दवाओं की लंबे समय तक आपूर्ति, क्षमता निर्माण और आधारभूत ढांचे में सहयोग पर बात की थी। इस दौरान भारत ने कैंसर की दवाओं और सीटी स्कैनर सौंपकर अपने इरादों को साफ कर दिया था। भारत के एंबुलेंस देने की सोशल मीडिया में तालिबानी जमकर तारीफ कर रहे हैं। अफगान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि लंबे समय से अफगान जनता इलाज के लिए भारत आती रही है। मेडिकल वीजा एक बेहद अहम मानवीय चैनल है। अफगान सरकार अब अत्याधुनिक अस्पताल बनाने पर काम कर रही है।

पाकिस्तान का ब्लैकमेल होगा खत्म

अफगानिस्तान अभी तक करीब 60 फीसदी दवाएं पाकिस्तान से आयात करता था लेकिन दोनों के बीच तनाव के बाद व्यापार बंद हो गया है। इससे अफगान जनता को पाकिस्तान से दवाएं नहीं मिल पा रही है। पाकिस्तान दवाएं देने के नाम पर तालिबान सरकार को ब्लैकमेल करने की कोशिश करता था। भारत के ऐक्शन में आने से पाकिस्तान पर से अफगानिस्तान की निर्भरता कम हो गई है। पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद नंवबर 2025 में अफगान सरकार ने पाकिस्तान से दवाओं का आयात पूरी तरह से बैन कर दिया है। तालिबानी सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के दवाओं की गुणवत्ता बहुत खराब है। अफगान व्यापारियों को 3 महीने का वक्त दिया गया है ताकि वे पाकिस्तान से अपना आयात बंद कर दें। अफगानिस्तान अब दवाओं के लिए भारत और मध्य एशिया के देशों के साथ डील कर रहा है।

जुल्फीकार, बेनजीर को मारने वाली पाकिस्तान सेना के तलवे चाटते दिखे बिलावल भुट्टो, भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद: पाकिस्तान की सेना ने देश के दो प्रधानमंत्रियों को मरवाया। सबसे पहले जुल्फीकार अली भुट्टो को फांसी पर लटकाया और फिर बेनजीर भुट्टो की हत्या में भी पाकिस्तान की सेना और ISI पर आरोप लगते रहे हैं। लेकिन बिलावल भुट्टो, जो बेनजीर भुट्टो के बेटे हैं और जुल्फीकार अली भुट्टो के नाती हैं, वो सार्वजनिक सभा में भारत का नाम लेकर उसी सेना के तलवे चाटते नजर आए। बिलावल भुट्टो ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 'पाकिस्तान की सेना ने मई महीने के संघर्ष में भारत को हरा दिया।' न्यूयॉर्क टाइम्स, गार्जियन और फ्रांस-24 के लिए लिखने वाले जर्नलिस्ट ताहा सिद्धीकी ने बिलावल भुट्टो के बयान को 'शर्मनाक' कहा है।

ताहा सिद्धीकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि "बिलावल भुट्टो पर शर्म आती है कि उन्होंने अपनी माँ बेनजीर भुट्टो की पुण्यतिथि का इस्तेमाल GHQ (पाकिस्तान सेना का हेडक्वार्टर) के भारत विरोधी नैरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए किया। क्या यह पाकिस्तान आर्मी के सामने अपनी साख चमकाने (बूट पॉलिश) के लिए है, जिसने असल में उनकी मां को मारा था? कितनी शर्म की बात है!!!"

बिलावल भुट्टो ने की पाकिस्तान सेना की बूट पॉलिस!

बिलावल भुट्टो ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि "पाकिस्तान को जो जीत हासिल हो चुकी है, उसे अभी तक भारत हजम नहीं कर पा रहा है। हमारे फील्ड मार्शल का नाम सुनते ही मोदी चुप हो जाते है।" उन्होंने इमरान खान और उनकी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि "ये जो सेना को गाली दी जाती है, ये सियासत के दायरे में नहीं होते हैं। सोचिए कैसा होता अगर जब मुझे NAB का नोटिस मिलता था, आसिफ अली जरदारी को गिरफ्तार किया जाता था, तो मैं आपने कहता कि कोर कमांडर के घर पर हमला करें। हमारे डिफेंस बेस पर हमला करें तो क्या आपके खिलाफ सख्त कार्रवाई होती या नहीं। जुल्फीकार अली भुट्टो को फांसी पर चढ़ाया गया, लेकिन हमने सियासी विरोध किया और इसीलिए बेनजीर भुट्टो प्रधानमंत्री बनीं।"

आपको बता दें कि जिस पाकिस्तानी सेना के कसीदे बिलावल पढ़ रहे हैं, उसी पर उनकी मां के हत्या के आरोप हैं। पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 27 दिसंबर 2007 को हत्या कर दी गई थी। जिसमें पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा प्रतिष्ठान की भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं। बेनजीर भुट्टो की पाकिस्तान वापसी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सीधे सेना और इंटर-सर्विसेज़ इंटेलिजेंस (ISI) के नियंत्रण में थी, इसके बावजूद उनकी सुरक्षा में गंभीर चूक सामने आई। हत्या के तुरंत बाद घटनास्थल को धो दिए गये, ताकि सबूत मिटा दिए जाएं। जिस पर सेना और तत्कालीन सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की तीखी आलोचना हुई। संयुक्त राष्ट्र की जांच रिपोर्ट (2010) ने भी निष्कर्ष निकाला कि पाकिस्तानी राज्य, विशेष रूप से सुरक्षा एजेंसियां, बेनजीर को पर्याप्त सुरक्षा देने में नाकाम रहीं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जांच को जानबूझकर बाधित किया गया।

Top News इस्लाम के नाम पर भारत के पड़ोसियों को फांस रहा तुर्की,

इस्लाम के नाम पर भारत के पड़ोसियों को फांस रहा तुर्की, खलीफा का दक्षिण एशिया में नापाक 'ऑटोमन' प्लान

अंकारा: भौगोलिक तौर पर तुर्की दक्षिण एशिया से बहुत दूर है, लेकिन इस्लाम के धागे से वो भारत के पड़ोसी देशों को एक गांठ में बांध रहा है। इतिहास में तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य के इस क्षेत्र पर काफी प्रभाव रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन फिर से 500 साल पुराने उस इतिहास को दोहराना चाहते हैं। तुर्की दक्षिण एशिया के मुस्लिम देशों के साथ करीबी संबंध बनाकर इस क्षेत्र की भूराजनीति को प्रभावित करना चाहता है। भारतीय खुफिया एजेंसियों का मानना है कि 10 नवंबर को लाल किले पर हुए बम धमाके में तुर्की की इस विचारधारा का और उसके एक हैंडलर की भूमिका थी। वहीं, तुर्की, अजरबैजान और पाकिस्तान, तीन भाई की तरह भारत के खिलाफ एक साथ आ गये हैं।

भारत लंबे समय से रोमन साम्राज्य के साथ सीधे व्यापार करता था, जिसमें पूर्वी रोमन (बीजान्टिन) साम्राज्य भी शामिल था, जिसका मुख्यालय कॉन्स्टेंटिनोपल, यानि आधुनिक इस्तांबुल में था। हालांकि, मध्य पूर्व और मिस्र के बड़े हिस्से पर अरबों की जीत के बाद भारत और बीजान्टिन के बीच सीधे संबंध और व्यापार कम हो गया। तुर्की के आक्रांताओं ने भारत पर हमले भी किए। दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य जैसे कई प्रमुख भारतीय मुस्लिम राज्य, तुर्की राजवंशों और सेनाओं ने स्थापित किए थे।

तुर्की कैसे दक्षिण एशिया से फिर संबंध जोड़ रहा?

16वीं सदी में ओटोमन साम्राज्य ने न सिर्फ भारतीय समुद्री व्यापार में दिलचस्पी ली, बल्कि पुर्तगालियों और सफवी ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए भारतीय शक्तियों से गठजोड़ भी किया। तुर्की ने ही बाबर को तोपें और बारूद दी थी, ताकि वो मुगल साम्राज्य की नींव रख सके। मुगल सत्ता ढहने और ब्रिटिश शासन के दौरान भी ओटोमन खलीफा भारतीय मुसलमानों के लिए काफी मायने रखे ते। खिलाफत आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण था, जिसमें भारतीय मुसलमानों ने ओटोमन खिलाफ़त को बचाने के लिए इस्लामिक आंदोलन कर दिया था। हैदराबाद रियासत तक ने खिलाफत को फिर से जिंदा करने के लिए योजनाएं बनाई थी। हैदराबाद के निजाम के बेटों, आसफ जाह राजवंश के वंशजों की शादी ओटोमन राजकुमारियों से हुई थी। हालांकि ओटोमन की फिर से स्थापना की सारी कोशिशें नाकाम हुईं, लेकिन ये घटनाएं ये साबित करती हैं कि दक्षिण एशिया में तुर्की का प्रभाव सिर्फ भूराजनीतिक नहीं, बल्कि इस्लाम के नाम पर है, जिसमें भावनात्मक उबाल आता रहता है।

तुर्की के मौजूदा राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन फिर से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे है। जाहिर तौर पर इसके लिए इस्लाम से बढ़कर और कोई भावनात्मक रस्सी नहीं है। पाकिस्तान को मई महीने में भारत के खिलाफ हथियार देकर तुर्की ने इसी की आजमाइस की थी। अब वो बांग्लादेश और मालदीव को भी इसी धागे से बांध रहा है। चूंकी ये देश इस्लामिक हैं और भारत विरोधी रूख रखते हैं, तो तुर्की इन्हें एक मसीहा की तरह लगता है। तुर्की भारत की शक्ति को संतुलित करने के लिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव और अजरबैजान देशों के साथ मजबूत रिश्ते बना चुका है। इसका एक मकसद भारत के बाद ईरान को भी संतुलित करना है, जो एक शिया देश है और जिसका प्रभाव खाड़ी देशों में तुर्की से कम नहीं है।

एर्दोगन के दक्षिण एशिया नीति से भारत पर क्या असर?

द डिप्लोमेट में जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट अखिलेश पिल्ललमरी ने लिखा है कि राष्ट्रपति एर्दोगन, ओटोमन और मुगल दोनों साम्राज्यों के पतन को ऐसी त्रासदी मानते हैं जिन्हें ठीक किया जाना चाहिए। इस तरह की सोच ने पाकिस्तान के साथ तुर्की के संबंधों को मजबूत किया है। अखिलेश पिल्ललमरी के मुताबिक इसलिए, दक्षिण एशिया में तुर्की की नई दिलचस्पी दो मजबूरियों से पैदा होती है। पहला, उपमहाद्वीप की बड़ी मुस्लिम आबादी और उसके मुस्लिम देशों के साथ तुर्की के संबंध मुस्लिम दुनिया में उसकी प्रतिष्ठा और भूमिका को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, तुर्की की संस्कृति पाकिस्तान में तेजी से लोकप्रिय हो रही है और कई पाकिस्तानी, तुर्की को एक रोल मॉडल के रूप में देखते हैं और फॉलो करते हैं।

दूसरा, दक्षिण एशिया के मुस्लिम देश, खासकर पाकिस्तान के साथ सुरक्षा और राजनयिक संबंध, तुर्की के भू-राजनीतिक हितों को पूरा करता है। ये संबंध तुर्की को अपने हथियारों की क्षमता दिखाने, क्षेत्र में अरब दुनिया के प्रभाव के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने, पूरे मध्य और दक्षिण एशिया में शक्ति दिखाने और अपने चिर प्रतिद्वंद्वी ईरान को रोकने में सक्षम बनाते हैं।

महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ

नंदिग्राम टाईम्स

Tuesday 30th December 2025 वर्ष - 9 , अंक 244 , पृष्ठ 03

छत्रपति संभाजीनगर महापालिका चुनाव: महायुती में दरार, शिंदेसेना ने भाजपा के प्रस्ताव ठुकराए, भाजपा ने आत्मनिर्भर होकर अकेले लड़ने का संकेत

छत्रपति संभाजीनगर, 29 दिसंबर 2025: आगामी छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका चुनावों को लेकर महायुति गठबंधन में गंभीर दरार उभरने लगी है। भाजपा और शिंदेसेना के बीच सीट-वाटप को लेकर चल रही बैठकों में सहमति न बनने पर स्थानीय तनाव visibly बढ़ गया है। शिंदेसेना के पालकमंत्री संजय शिरसाट ने भाजपा द्वारा पेश किए गए चार प्रस्तावों को खारिज कर दिया, जिससे गठबंधन वार्ता ठप्प हो गई है और भाजपा ने अब अकेले चुनाव लड़ने का स्पष्ट संकेत दिया है।

भाजपा नेता और ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे ने कहा है कि भाजपा अब शाम तक आख़िरी बार शिंदेसेना को संशोधित प्रस्ताव देगी, लेकिन अगर वह स्वीकार नहीं किया गया तो पार्टी “स्वबळ”, यानी अकेले चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी में है। उनके बयान से महापालिका चुनावों में युति की संभावना कम दिखाई दे रही है और गठबंधन के टूटने का संकेत भी मिल रहा है।

भाजपा और शिंदेसेना के बीच सीट-बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद ने स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस पैदा कर दिया है। शिंदेसेना की मांग है कि उसे बड़ी संख्या में सीटें मिलनी चाहिए, जबकि भाजपा शून्य से अधिक हिस्सेदारी चाहता है, जिससे बातचीत गतिरोध में फँसी हुई है।

आज सुबह भाजपा के स्थानीय नगराध्यक्ष किशोर शितोळे, विधायक संजय केणेकर तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शिरसाट के बंगले का दौरा किया और बैठक का दबाव बढ़ाया, पर शिंदेसेना ने अपने रुख़ में क़ायम रहते हुए कोई समझौता नहीं किया।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि महायुति के शीर्ष नेतृत्व द्वारा गठबंधन को बनाए रखने के निर्देश देने के बावजूद स्थानीय स्तर पर सीट-वाटप को लेकर मतभेद गंभीर रूप से सामने आए हैं। यह संघर्ष छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका में भाजपा-शिंदेसेना के भविष्य के सहयोग पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

चुनावों में कौन सा समीकरण अंतिम रूप से सामने आएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, पर इस गतिरोध से यह संकेत मिलता है कि संभाजीनगर में चुनावी रणभूमि और भी अधिक प्रतिस्पर्धात्मक होगी। मतदाता अब यह तय करेंगे कि महायुति गठबंधन एकजुट होकर आगे बढ़ेगी या भाजपा स्वतंत्र रूप से चुनाव का सामना करेगी।

Maharashtra Politics | महाराष्ट्र में चुनाव से पहले दो बड़े राजनीतिक परिवारों का पुनर्मिलन:

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले दो बड़े राजनीतिक परिवारों का पुनर्मिलन: ठाकरे और पवार की सियासी रणनीति

मुंबई | चुनावी गतिविधियों के बीच महाराष्ट्र की राजनीति में दो प्रमुख राजनीतिक परिवारों — ठाकरे और पवार — के बीच पुनर्मिलन का सिलसिला सुर्खियों में है। भावनात्मक कारणों से अधिक सियासी मजबूरियों के चलते यह एकजुटता देखने को मिल रही है, जो आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में बढ़त हासिल करने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

ठाकरे परिवार की बात करें तो उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के बीच करीब 20 साल की दरार रही है। दोनों नेताओं ने शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के बीच गठबंधन करके पुन: एक साथ चुनावी मंच साझा किया। हालांकि 2025 के बेस्ट एम्प्लॉयीज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी चुनाव में उनका यह गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाया और 21 सीटों में से एक भी जीत नहीं सका। इस परिणाम ने स्पष्ट कर दिया कि केवल एकता ही काफी नहीं है, उसे जमीनी समर्थन की भी आवश्यकता है।

अब उनकी नज़र 2026 में होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों पर है, जिनमें मुंबई, ठाणे और कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उन्हें बेहतर प्रदर्शन हासिल करने की जरूरत है।

दूसरी ओर, पवार परिवार में भी गत वर्षों में मतभेद देखने को मिले थे। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के बीच राजनीतिक मतभेदों ने 2023 में पार्टी विभाजन तक पहुंचा दिया था। तब अजित पवार ने भाजपा-शिवसेना शिवसेना (UBT) के साथ गठबंधन किया था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में कमजोर प्रदर्शन और सियासी वास्तविकताओं ने यह संकेत दिया कि अलग राहें अपनाना रणनीतिक रूप से सफल नहीं रहा।

परिणामस्वरूप, दोनों पक्ष अब 15 जनवरी को होने वाले पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए एक साथ मैदान में उतरने का फैसला किया है। यह कदम पवार परिवार की राजनीतिक जड़ें मजबूत करने और संगठनात्मक आधार को पुन: जागृत करने की कोशिश है।

विश्लेषकों के अनुसार, दोनों परिवारों की यह वापसी व्यक्तिगत रिश्तों की पुनर्स्थापना से ज्यादा चुनावी गणित और राजनीतिक अस्तित्व की बहाली से प्रेरित है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में इन संयुक्त ताकतों के प्रदर्शन से महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है। ऐसे में यह पुनर्मिलन भावनाओं से अधिक रणनीतिक सियासी कदम के रूप में देखा जा रहा है।

नागपुर के कॉलेज हॉस्टल में 20 दिनों से जूनियर्स की रैगिंग, गुमनाम लेटर ने खोला राज, निकाली गईं 19 छात्राएं

20 दिनों से जूनियर्स की रैगिंग

नागपुर: महाराष्ट्र के नागपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां सरकारी आयुर्वेद कॉलेज और अस्पताल के 19 छात्राओं को रैगिंग के आरोप में तीन महीने के लिए कॉलेज के हॉस्टल से निकाल दिया गया है। ये सभी छात्राएं सेकंड ईयर की स्टूडेंट हैं। यह फैसला कॉलेज प्रशासन ने एंटी-रैगिंग कमेटी की जांच के बाद लिया है।

एंटी-रैगिंग कमेटी ने की जांच
कॉलेज प्रशासन की एंटी-रैगिंग कमेटी ने अपनी जांच में पाया कि ये सभी छात्राएं रैगिंग में शामिल थी। छात्राओं को क्लास अटेंड करने की परमीशन फिलहाल के लिए दी गई है। कॉलेज ने सभी छात्राओं से लिखित में चेतावनी ली है कि अगर वह दोबारा रैगिंग में शामिल पाई जाती हैं तो उन्हें 6 महीने के लिए कॉलेज से सस्पेंड या फिर स्थायी रूप से कॉलेज से निष्कासित किया जा

कॉलेज ने छात्राओं को हॉस्टल से निकाला
कॉलेज प्रशासन ने एक गुमनाम शिकायत के बाद यह पूरी कार्रवाई की है। प्रशासन को शिकायत में कहा गया था कि कॉलेज के प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स को 20 दिनों से लगातार परेशान किया जा रहा था। शिकायत में लिखा था कि सभी स्टूडेंट्स डर के माहौल में कॉलेज में रह रहे हैं। शिकायत में आगे लिखा था कि कॉलेज में रात भर रैगिंग चलती है और हॉस्टल का स्टाफ इन घटनाओं की तरफ ध्यान नहीं देता है। इस पूरी शिकायत के बाद कॉलेज प्रशासन ने 18 दिसंबर को जांच शुरू की और स्टूडेंट्स के बयान दर्ज किए। जांच के बाद कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने 19 छात्राओं को रैगिंग में शामिल पाया और उन्हें तीन महीने के लिए हॉस्टल से निकाल दिया।

मुंबई भांडुप पश्चिम में BEST बस हादसा: 4 की मौत, 9 घायल

मुंबई : भांडुप (वेस्ट) के स्टेशन रोड पर सोमवार रात करीब 10 बजे बीईएसटी (BEST) की एक बस के रिवर्स लेते समय पैदल चल रहे लोगों के बीच में जा टकराने से कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और 9 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे के बाद मौके पर मुंबई पुलिस, फायर ब्रिगेड, BEST स्टाफ और 108 एम्बुलेंस तैनात कराकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बस भीड़ वाले इलाके में रिवर्स करते समय पैदल यात्रियों को कुचलते हुए आगे बढ़ी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जांच में यह संकेत मिल रहा है कि हादसा ड्राइवर की लापरवाही या तकनीकी कारणों से हुआ हो सकता है, हालांकि सटीक वजहों का पता पुलिस जांच के बाद ही चलेगा।

पुलिस ने बस चालक को हिरासत में ले लिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारण इलाके में ट्रैफिक प्रभावित रहा और स्थानीय नागरिक हादसे की भयावहता से परेशान दिखे। अधिकारी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कह रहे हैं।

'बाबरी मस्जिद को बनाना संभव नहीं, न हम बनने देंगे', जगदगुरु रामभद्राचार्य का बड़ा बयान

जगदगुरु रामभद्राचार्य का बड़ा बयान

NAGPUR

नागपुर: जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने बांग्लादेश में उत्पन्न हालात को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट पर मजबूती से जवाब दिया जाना चाहिए और सभी हिंदुओं को एकजुट होकर इसका सामना करना होगा। उनके मुताबिक, बांग्लादेश में घट रही घटनाएं चिंता का विषय हैं और इस पर सामूहिक स्तर पर गंभीर रुख अपनाने की जरूरत है। इसी क्रम में उन्होंने पश्चिम बंगाल से जुड़े एक अन्य विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद बनाए जाने के दावे पर भी प्रतिक्रिया दी है। जगदगुरु ने साफ शब्दों में कहा कि ऐसा होना संभव नहीं है। उन्होंने दोटूक कहा कि न तो इस तरह की कोई कोशिश सफल होगी और न ही इसे होने दिया जाएगा।

वेस्ट यूपी पर दिया था बयान
रामभद्राचार्य अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। इसकी साल सितंबर महीने में उन्होंने वेस्ट यूपी को लेकर एक बयान दिया था, जिसपर जमकर बवाल हुआ था। रामभद्राचार्य ने कहा था कि आज वेस्ट यूपी मिनी पाकिस्तान प्रतीत होता है। देश में हिंदू संकट के दौर से गुजर रहा है। उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है। जगद्गुरु के इस बयान का विरोध हुआ था। जिसपर उन्होंने कहा था कि वेस्ट यूपी में हिंदुओं की दशा खराब है। संभल, मेरठ और मुजफ्फरनगर में लोग हिंदुओं को दबा रहे हैं। उन पर हावी हो रहे हैं। मैंने आखिर क्या गलत कह दिया?

हिंदुओ को अब संगठित होना होगा
इससे पहले, रामकथा में रामभद्राचार्य ने कहा था कि हिंदुओं को अब तटस्थ नहीं बल्कि सक्रिय होकर संगठित होना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना अपराध किए हिंदुओं को मारा जा रहा है। हिंदू ही ऐसा धर्म है जो वसुधैव कुटुंबकम की भावना सिखाता है और पूरी दुनिया को परिवार मानता है। लंबे समय से हिंदुओं की सहनशीलता को कमजोरी समझा गया है।रामभद्राचार्य ने यह भी कहा कि हर हिंदू परिवार को अपनी संतानों को धर्मशिक्षा देनी होगी और प्रत्येक घर में धर्म की पाठशाला शुरू करनी होगी। हम किसी को छेड़ते नहीं लेकिन अगर कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे भी नहीं।

बीएमसी चुनाव 2026: महायुति में सीट शेयरिंग तय, भाजपा 137 और शिवसेना 90 सीटों पर लड़ेगी

मुंबई, 30 दिसंबर 2025: आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच सीटों के बंटवारे का फ़ॉर्मूला फाइनल हो गया है। इसके अनुसार भाजपा 227 सीटों में से 137 सीटों पर अपने चुनावी प्रत्याशी उतारेगी, जबकि शिवसेना 90 सीटों पर चुनावी मैदान में होगी।

यह सीट-शेयरिंग मुंबई महापालिका चुनावों को लेकर चल रही लंबी वार्ताओं का नतीजा है, जिसमें दोनों पक्षों ने उम्मीदवारों की सूची और प्रचार रणनीतियों पर सहमति बनाई है। भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने कहा है कि इस समझौते के तहत महायुति गठबंधन संयुक्त रूप से चुनाव लड़ेगा और एकजुट प्रयास करेंगे।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 दिसंबर है और इसके बाद प्रत्याशी अपना नामांकन फाइनल करेंगे। बीएमसी चुनाव 15 जनवरी 2026 को आयोजित होंगे, जबकि मतगणना 16 जनवरी को होगी।

Maharashtra Politics | अजित पवार के ऐलान से सियासी भूकंप

परिवार साथ आ रहा, अजित पवार के ऐलान से सियासी भूकंप, संजय राउत ने 'चाचा-भतीजे' के साथ अमित शाह को घेरा

मुंबई | महाराष्ट्र में मुंबई बीएमसी समेत 29 नगर महापालिकाओं के लिए मंगलवार तक नामांकन किए जा सकेंगे। ठाकरे ब्रदर्स के बाद अब महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम अजित पवार ने ऐलान किया है कि परिवार एक साथ आ रहा है। अजित पवार की एनसीपी ने शरद गुट वाली एनसीपी के साथ पिंपरी चिंचवड़ में गठबंधन का ऐलान किया है। पिंपरी चिंचवड नगर निगम पर बीजेपी ने पिछली बार जीत दर्ज की थी। ऐसे में यहां पर मुकाबला एनसीपी (शरद-अजित) बनाम बीजेपी होगा। महाराष्ट्र की राजनीति में नए घटनाक्रम पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने निशाना साधा है। राउत ने कहा है कि अजित पवार को बीजेपी को जवाब देना होगा कि बीजेपी जिस शरद पवार से लड़ रही है। वह उनके साथ गठबंधन कर रहे हैं। राउत ने आगे कहा कि जवाब अमित शाह और शरद पवार को देना होगा। उनसे पूछिए।

अजित पवार ने क्या कुछ कहा?
बारामती में उद्योगपति गौतम अडानी की मौजूदगी में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार के साथ मंच साझा किया था। इस कार्यक्रम के बाद रविवार शाम को अजित पवार ने ऐलान किया था कि परिवार एक साथ आ रहा है। अजित पवार ने PCMC (पिंपरी चिंचवड़ म्युनिसिपल कॉरपोरेशन) चुनावों के लिए शरद पवार गुट के साथ गठबंधन की घोषणा की थी। उन्होंने संकेत दिए थे कि जल्द ही सीट-बंटवारे पर समझौता होगा। एनसीपी के दो फाड़ होने और अजित पवार के बीजेपी के साथ जाकर डिप्टी सीएम बनने के बाद यह पहला मामला है। जब एनसीपी के दो खेमे एक साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे। अजित पवार ने यह घोषणा पार्टी उम्मीदवारों के लिए तलवडे में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए की थी। उन्होंने कहा था कि पिंपरी चिंचवड़ में, एनसीपी घड़ी के चुनाव चिन्ह वाली पार्टी और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) तुरही के चुनाव चिन्ह वाली पार्टी नगर निगम चुनाव गठबंधन में लड़ेंगी।

महाराष्ट्र के हित में लेंगे बड़े फैसले
अजित पवार ने कहा था कि एक परिवार एक साथ आ रहा है क्योंकि बहुत से लोग ऐसा चाहते थे। उन्होंने कहा था कि हम एक किसान परिवार से आते हैं। खेती हमारी जाति है। महाराष्ट्र के बड़े हित में कुछ फैसले लेने होंगे। यह दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की पहली आधिकारिक घोषणा है, जबकि पुणे सहित अन्य नगर निगमों में गठबंधन के लिए बातचीत जारी है। रैली के दौरान, पवार ने वार्ड 12 के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा की, जहां अविभाजित एनसीपी ने 2017 के चुनावों में सभी चार सीटें जीती थीं। उम्मीदवार पंकज भालेकर, शरद भालेकर, सीमा भालेकर और चारुलता सोनवणे हैं। गौरतलब हो कि अजीत पवार के नेतृत्व में पहले 1992 और 1999 के बीच कांग्रेस और फिर अविभाजित एनसीपी ने 1999 और 2017 के बीच पिंपरी चिंचवड़ पर शासन किया। बीजेपी ने 2017 में 128 सीटों में से 77 सीटें जीतकर नगर निकाय पर नियंत्रण कर लिया, जबकि एनसीपी दूसरे स्थान पर रही।

मालेगांव महापालिका चुनाव: एमआईएम से गठबंधन संभव तो ठीक, नहीं तो कांग्रेस अकेले मैदान में; 9 प्रत्याशियों की घोषणा

मालेगांव: आगामी मालेगांव महानगरपालिका चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि यदि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के साथ गठबंधन संभव हुआ तो उसी के तहत चुनाव लड़ा जाएगा, अन्यथा कांग्रेस अपने दम पर (स्वबळ) चुनावी मैदान में उतरेगी। इसी रणनीति के तहत कांग्रेस ने अपने पहले चरण में 9 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय से कांग्रेस और एमआईएम के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा चल रही थी। मालेगांव की स्थानीय राजनीति में दोनों दलों के बीच तालमेल की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन प्रदेश स्तर पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से एमआईएम व मनसे जैसी पार्टियों के साथ सीधे गठबंधन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बाद यह प्रयास कमजोर पड़ गया। परिणामस्वरूप कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि आगे चलकर महाविकास आघाड़ी के घटक दलों के साथ सीटों को लेकर सहमति बनती है, तो उस पर विचार किया जाएगा, लेकिन फिलहाल पार्टी ने अपनी स्वतंत्र चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पूर्वी मालेगांव के कुछ वार्डों के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

घोषित प्रत्याशियों में प्रभाग 2 से महमंद यासीन शकील अहमद, प्रभाग 3 से आफरीन परवीन शेख, प्रभाग 7 से रशिदा अय्युब अब्दुल कय्युम, प्रभाग 17 से अशरफ अली नबी सरवर, प्रभाग 18 से एजाज बेग, रियाज बेग व यास्मीन बेग, प्रभाग 20 से अब्दुल अहात कलीमउद्दीन तथा प्रभाग 21 से तस्लीमा जैनु पठाण के नाम शामिल हैं।

इन नामों की घोषणा के बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चाएँ तेज हो गई हैं। कुछ वार्डों में एक ही परिवार से उम्मीदवार दिए जाने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह केवल पहली सूची है और आने वाले दिनों में पश्चिमी मालेगांव के प्रत्याशियों की घोषणा भी की जाएगी।

एमआईएम के साथ गठबंधन को लेकर अनिश्चितता और कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने के संकेतों ने मालेगांव की चुनावी राजनीति को और दिलचस्प बना दिया है। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक समीकरण और भी स्पष्ट होते नजर आ रहे हैं।

नांदेड़ वॉक्स

नांदेड़ जिला > नांदेड़ शहर

सुविचार

समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

नंदिग्राम टाईम्स

Tuesday 30th December 2025 वर्ष - 9 , अंक 244 , पृष्ठ 04

परभणी: चार महापौर हो गए, फिर भी मूलभूत समस्याएँ बरक़रार

परभणी, 29 दिसंबर 2025: परभणी महानगरपालिका बनने के 13 साल बाद भी शहर की मूलभूत समस्याएँ जस की तस बनी हुई हैं। अब तक चार महापौरों के कार्यकाल गुजरने के बावजूद नागरिकों को नियमित पानी चार-पाँच दिन में एक बार ही मिलता है, और पानी की दीर्घकालीन योजना आज तक लागू नहीं हुई है। वहीं शहर की सड़कों की स्थिति चिंताजनक है, कई सड़कें अधूरी या खराब हालत में हैं, जिससे रोज़मर्रा की यातायात समस्या बनी हुई है। पार्किंग और कचरा प्रबंधन भी संतोषजनक नहीं है, कई इलाकों में कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं।

महापालिका के वास्तविक विकास और योजनाओं की पूर्णता के बावजूद, अधूरे पड़े पायाभूत विकास कार्य तथा प्रशासनिक विलंब पर नागरिकों में निराशा है। जनता नए प्रशासन से बदलाव की उच्च उम्मीदें व्यक्त कर रही है कि जल्द ही पानी, सफाई और सड़कों जैसे मूलभूत मुद्दों का स्थायी समाधान मिलेगा।

NANDED | रवींद्र चव्हाण ने अशोक चव्हाण पर लगाया बड़ा आरोप

नांदेड़ में MIM प्रवेश को लेकर राजनीतिक विवाद: रवींद्र चव्हाण ने अशोक चव्हाण पर लगाया बड़ा आरोप

नांदेड़ | नांदेड़ में कुछ कांग्रेस के पूर्व नगरसेवकों के अचानक ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) में शामिल होने को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। इस मामले पर कांग्रेस सांसद रवींद्र चव्हाण ने आरोप लगाया है कि इस बदलाव के पीछे अशोक चव्हाण का हाथ है, जो राजनीतिक रूप से बड़ी हलचल पैदा कर रहा है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पिछले दिनों कुछ पूर्व नगरसेवकों ने अचानक AIMIM में प्रवेश किया। इस कदम ने इलाके में काफी चर्चा को जन्म दिया। रवींद्र चव्हाण ने कहा कि नांदेड़ में MIM के प्रभावकार कौन हैं, यह जनता अच्छी तरह जानती है और इन प्रवेशों के पीछे पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने इसे केवल पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होने से कहीं अधिक गंभीर राजनीतिक कदम बताया। रवींद्र चव्हाण ने यह भी कहा कि इस कदम से कांग्रेस की मजबूत आधार राजनीति प्रभावित नहीं होगी और नांदेड़ की जनता धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को ही प्राथमिकता देगी। उनके मुताबिक, मतदाताओं को जातिवादी ध्रुवीकरण की राजनीति से बचने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

रवींद्र चव्हाण ने यह भी कहा कि इस कदम से कांग्रेस की मजबूत आधार राजनीति प्रभावित नहीं होगी और नांदेड़ की जनता

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, नांदेड़ जैसे क्षेत्र में AIMIM का राजनैतिक विस्तार और कुछ नेताओं का उसमें शामिल होना स्थानीय राजनीति के समीकरण बदल सकता है, खासकर आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखकर। MIM का यह कदम कांग्रेस और अन्य पार्टियों के लिए चिंता का विषय बन गया है क्योंकि इससे वोटों के ध्रुवीकरण की संभावना बढ़ सकती है।

इससे पहले भी प्रताप पाटील चिखलीकर जैसे नेताओं ने अशोक चव्हाण पर उसी मुद्दे को लेकर आरोप लगाए थे, जिससे यह विवाद और भी व्यापक हुआ है। अशोक चव्हाण ने इन आरोपों का प्रत्यक्ष उत्तर नहीं दिया है, लेकिन उन्होंने अन्य मौकों पर चुनाव और पार्टी शक्ति समीकरण पर अपनी रणनीति पर ज़ोर दिया है।

हिमायतनगर नगरपंचायत के नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष शेख रफिक शेठ का सोनारी में शेख खयूम (पत्रकार) और परिवार द्वारा भव्य सत्कार किया गया।

शासन के पास लंबित पेंशनर्स की मांगें पूरी कराई जाएंगी : विधायक कल्याणकर

नांदेड | संवाददाता : शासन के पास वर्षों से लंबित पेंशनधारकों की विभिन्न मांगों को विधानसभा में मजबूती से उठाकर उन्हें हल कराने का आश्वासन विधायक बालाजीराव कल्याणकर ने दिया। वे विजयनगर स्थित हनुमान मंदिर मंगल कार्यालय में आयोजित पेंशनर्स डे कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस अवसर पर मंच पर पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष डी. एम. रेड्डी, सचिव चंद्रकांत जटाळ, उपाध्यक्ष एम. मीराखान, वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश कदम, जिला कोषागार अधिकारी विक्रम देशमुख, लेखाधिकारी नीलकंठ पांजगे, नामदेवराव राठोड, अपर कोषागार अधिकारी संजय येरमे, ग़ज़लकार बापू दासरी, पत्रकार डॉ. अभयकुमार दांडगे, जे. पी. मिसाळे सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत संघ के सचिव चंद्रकांत जटाळ ने की। विधायक बालाजीराव कल्याणकर का स्वागत अध्यक्ष डी. एम. रेड्डी ने शाल व पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। अन्य सभी अतिथियों का भी शाल एवं पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का प्रस्तावना उपाध्यक्ष एम. मीराखान ने रखी। इसके पश्चात पेंशनर्स की विभिन्न मांगों का ज्ञापन विधायक को सौंपा गया। इस कार्यक्रम में लगभग 550 पेंशनधारक सदस्य उपस्थित रहे। 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 78 वरिष्ठ पेंशनधारकों का विधायक एवं अतिथियों के हाथों शाल व पुष्पगुच्छ देकर विशेष सम्मान किया गया।

मनोगत व्यक्त करते हुए जिला कोषागार अधिकारी विक्रम देशमुख ने आश्वस्त किया कि सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। लेखाधिकारी नीलकंठ पांजगे ने पेंशनधारकों की तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जगदीश कदम ने ज्येष्ठ पेंशनर्स को प्रेरणादायी मार्गदर्शन किया।

अध्यक्षीय समारोप में डी. एम. रेड्डी ने संगठन को 41 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन बापू दासरी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन एस. एस. कुरुडे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इंजि. डी. एम. रेड्डी सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विशेष परिश्रम किए।

नांदेड़ में सियासी तीखी बहस: अशोक चव्हाण को "भाजपा हरा" करने का आरोप, चिखलीकर ने कसा निशाना

नांदेड़ (महाराष्ट्र), नांदेड़ महापालिका चुनाव के माहौल में राजनीतिक तापमान बढ़ता जा रहा है, जहाँ भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण पर विरोधी नेता प्रताप पाटील चिखलीकर ने निशाना साधा है। चिखलीकर ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक रणनीति के तहत भाजपा को "हरा (ग्रीन)" दिखाने की कोशिश की जा रही है, जिससे पार्टी की साख और छवि को नुकसान पहुँचाया जा रहा है।

चिखलीकर ने इस आरोप को विशेष रूप से चुनावी रणनीति का हिस्सा बताया, तथा कहा कि भाजपा की ओर से मुसलमानों के नगरसेवक एमआईएम (AIMIM) में शामिल होने जैसी घटनाओं को भाजपा की "बी-टीम" के तौर पर पेश किया जा रहा है। उनका कहना था कि इस तरह की रणनीतियाँ भाजपा को असल में भाजपा के भीतर ही "हरा" (हरित, Green) दिखाने की कोशिश हैं।

स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने प्रतिपक्ष को कटु जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप आम बात है और यदि विरोधियों को लगता है कि भाजपा को किसी तरह "हरा" दिखाना संभव है, तो वे इसकी जिम्मेदारी लें। चव्हाण ने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा और एमआईएम के बीच कोई गठजोड़ या सीधा संबंध नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये बयानबाज़ियाँ नांदेड़ महापालिका चुनाव के दौरान स्थिति को और जटिल बना सकती हैं, जहाँ सभी प्रमुख दल अपने गठबंधनों और सामजिक आधार को मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

नांदेड महापालिका चुनाव: टिकट चाहे किसी भी पार्टी का हो, उम्मीदवार तैयार हैं मैदान में उतरने को

नांदेड, 29 दिसंबर 2025: नांदेड-वाघाळा महानगरपालिका चुनावों के ऐलान के बाद टिकट वितरण और उम्मीदवारों की तैयारियों को लेकर चुनावी माहौल गरमाया है। महापालिका के 81 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया के केवल दो दिन बचे हैं, लेकिन प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी अधिकृत उम्मीदवार सूची अभी तक घोषित नहीं की है, जिससे इच्छुक प्रत्याशी चिंतित और निष्तत्व में हैं। इस बीच कई उम्मीदवार किसी भी पार्टी से टिकट मिलने का इंतजार किए बिना संघर्ष की तैयारी में जुटे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, टिकट मिलने की अनिश्चितता और संभावित बगावत की आशंका के बीच कई इच्छुक उम्मीदवारों ने एक-साथ कई पार्टियों से नामांकन दाखिल करना शुरू कर दिया है। कुछ ने अलग-अलग दलों के अलावा स्वतंत्र (अपक्ष) के रूप में भी दावेदारी जता दी है, ताकि चुनाव में भाग लेने का अवसर न गँवाएँ। ऐसा 'दोहरी रणनीति' अपनाने के चलते राजनीतिक माहौल बिल्कुल उग्र दिख रहा है।

कई उम्मीदवार मानते हैं कि टिकट किसी भी पार्टी का हो, यह केवल माध्यम है। उनका कहना है कि विधानसभा या महापालिका में सदस्य बनने का उद्देश्य अपने प्रभाग के व्यापक विकास को प्राथमिकता देना होना चाहिए। वे अपने क्षेत्र के मतदाताओं से सीधे संपर्क स्थापित करने और स्थानीय मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धता साबित करने में जुटे हुए हैं।

यह भी देखा गया है कि कुछ उम्मीदवार ने एक ही समय में कई दलों से नामांकन दाखिल किया है। उदाहरण के लिए, एक महिला उम्मीदवार ने कांग्रेस, वंचित बहुजन आघाड़ी और अपक्ष के रूप में तीन अलग-अलग फॉर्म जमा किए हैं, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि अंत में तो वह उम्मीदवार ही मुख्य बनेगा, जिसके पास संबंधित पार्टी का अधिकृत एबी फॉर्म होगा।

चुनाव प्रचार और रसद को लेकर भी प्रत्याशी सक्रिय हैं। कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ मिलकर मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति पर काम तेज़ी से चल रहा है। 15 जनवरी को मतदान और 16 जनवरी को परिणाम घोषित होने की घोषणा पहले ही हो चुकी है, और इसके पहले सभी उम्मीदवार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि टिकट वितरण पर असमंजस और इच्छुक उम्मीदवारों की सक्रियता इस चुनाव को और भी प्रतिस्पर्धात्मक बनाएगी। अंतिम उम्मीदवारों की सूची जैसे-जैसे स्पष्ट होगी, चुनावी समीकरण और स्पष्ट रूप से सामने आएँगे।

लातूर नगरपालिका चुनाव: भाजपा-कांग्रेस टिकट दावेदारों की भीड़ से नेतृत्व की परीक्षा

लातूर, 29 दिसंबर 2025: लातूर महानगरपालिका चुनावों के लिए टिकट वितरण की अंतिम तिथि (30 दिसंबर) नज़दीक आने के साथ भाजपा और कांग्रेस के पास टिकट मांगने वाले उमेदवारों की भारी भीड़ जमा हो रही है। विशेष रूप से प्रभाग 12 और 13 में उमेदवारी की स्पर्धा तेज़ है, जहाँ अनुसूचित जाति (पुरुष), ओबीसी (महिला), खुला (महिला) और खुला (पुरुष) जैसे विभिन्न वर्गों में कई दावेदारों ने नामांकन के लिए आवेदन किया है। एक ही सीट के लिए लगभग 15-15 दावेदार मौजूद बताए जा रहे हैं।

दल वरिष्ठों को यह चुनना चुनौतीपूर्ण हो रहा है कि किन उम्मीदवारों को टिकट दें और किनका टिकट नाकारें, ताकि पार्टी कार्यकर्ता असंतुष्ट न हों। 30 दिसंबर तक उम्मीदवारों के चयन के बाद ही पता चलेगा कि कौन किस पार्टी से लातूर नगरपालिका चुनाव मैदान में उतरेगा।

नांदेड महापालिका चुनाव: भाजपा 'एकला चलो रे' रणनीति के साथ अकेले चुनाव लड़ेगी, कांग्रेस-उद्धवसेना गठबंधन में मैदान में उतरेगी

नांदेड : नांदेड महानगरपालिका के आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'एकला चलो रे' की रणनीति अपनाते हुए अकेले मैदान में उतरने का निर्णय लिया है। भाजपा-शिंदे सेना के बीच युति की चर्चा लंबे समय से चल रही थी, लेकिन सीटों के बंटवारे पर दोनों दलों के बीच असहमति बनी रहने से इस बैठक का कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। सूत्रों के अनुसार भाजपा ने विपक्षी दलों से गठबंधन न कर स्वयं ही चुनाव लड़ने का फैसला किया है, जिससे स्पष्ट रूप से उसकी रणनीति अलग राह पर जाने की है।

भाजपा और शिंदेसेना के बीच चल रही बातचीत में प्रमुख मुद्दा सीटों का बंटवारा रहा। शिंदेसेना ने दक्षिण और उत्तर नांदेड से क्रमशः अधिक सीटें मांगी थीं, लेकिन भाजपा सिर्फ 8 सीटों के ऊपर देने को तैयार नहीं हुई, जिससे गठबंधन टूट गया। इस पर भाजपा नेतृत्व ने 'एकला चलो रे' का नारा अपनाकर अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का निर्णय लिया।

दूसरी ओर, भाजपा की रणनीति को चुनौती देने के लिए कांग्रेस और उद्धवसेना (शिवसेना UBT) ने मिलकर महाविकास आघाडी के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। महापालिका की 81 सीटों में से लगभग 20 सीटों पर उद्धवसेना अपने उम्मीदवार उतारेगी, जबकि शेष पर कांग्रेस उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की योजना बन रही है। स्थानीय नेताओं का दावा है कि यह गठबंधन भाजपा को कड़ी टक्कर देगा।

इस गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस सांसद रविंद्र चव्हाण, जिल्हाध्यक्ष राजेश पावडे और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई है। आघाडी ने चुनावी रणनीति तय करने के लिए सभी संभावित सहयोगियों से बातचीत तेज कर दी है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा की अकेली रणनीति और कांग्रेस-उद्धवसेना का गठबंधन नांदेड महापालिका चुनाव को और अधिक रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक बना देगा। मतदाता अब यह तय करेंगे कि क्या भाजपा की स्वतंत्र लाठी-मार रणनीति सफल होती है या महाविकास आघाडी की संयुक्त ताकत आगे बढ़ती है। परिणाम अगले कुछ हफ्तों में स्पष्ट होंगे।

मुंबई में 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर फ्रॉड: नकली जज बनकर 3.71 करोड़ की ठगी, एक गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में साइबर ठगों ने एक 68 वर्षीय वृद्ध महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' के बहाने लगभग ₹3.71 करोड़ की ठगी की है। आरोपियों ने खुद को सीबीआई, पुलिस और पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ के रूप में पेश कर महिला को डराया-धमकाया कि उसके खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज है और उसे गिरफ्तार किया जाएगा। इसके बाद उन्होंने एक नकली वर्चुअल कोर्ट सत्र का आयोजन किया, जहाँ "जस्टिस चंद्रचूड़" के नाम से धोखेबाज़ ने महिला से उसकी सभी जमा-पूंजी "जांच" के लिए ट्रांसफर करने को कहा।

महिला डर के कारण महीनों (अगस्त से अक्टूबर 2025 तक) में कई बैंक खातों में कुल ₹3.71 करोड़ जमा कर बैठी, जब उसके बाद आरोपियों ने संपर्क बंद कर दिया, तब उसे धोखाधड़ी का अहसास हुआ और उसने साइबर पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की।

जांच के दौरान पता चला कि रकम को कई "म्यूल" खातों के माध्यम से स्थानांतरित किया गया था, जिनमें से एक का पता सूरत (गुजरात) में चला। वहां से एक 46 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जिसने फर्जी कंपनी का बैंक खाता खोलकर ठगों के लिए पैसे प्राप्त किए। पुलिस का कहना है कि वह लगभग ₹1.71 करोड़ अपने खाते से फ्रॉड करने वालों को ट्रांसफर करने में शामिल था और उसे कमीशन भी मिला था।

पुलिस अन्य मुख्य सरगनाओं और गिरोह के सदस्य की तलाश कर रही है, जिनके विदेश में होने का संदेह है। यह घटना साइबर अपराध के बढ़ते खतरों और डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने की आवश्यकता को उजागर करती है।

स्वाधिकारी नंदिग्राम टाईम्स (नांदेड़) के मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाइनिंग एंड ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, वाजेगांव, ता. व जि. नांदेड़ में मुद्रित तथा दैनिक नंदिग्राम टाईम्स, मुल्लाह मार्केट, खवी बिल्डिंग, नगरेश्वर मंदिर, नांदेड़–431604 (महाराष्ट्र) के कार्यालय से प्रकाशित। RNI-MAHHIN/2016/69743 मोबाइल संपर्क: 9921100075 | Email: ntinfodesk@gmail.com (वाद-विवाद हेतु न्यायक्षेत्र: नांदेड़ न्याय कक्षा में।)